

न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, चित्तौड़गढ़**पीठासीन अधिकारी- रतन कुमार (आर.ए.एस.)**

प्रकरण संख्या 018/2019 (GCMS 2019/00108)	दायर दिनांक 08.07.2019	निर्णय दिनांक 17.03.2021
--	---------------------------	-----------------------------

अनवान

सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिकारी, चित्तौड़गढ़ जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

प्रार्थी**बनाम**

1. रूपलाल नामधराणी पुत्र रामचन्द्र नामधराणी (विक्रेता)
(मो.नं.- 9461648102)
मैसर्स एजेन्सीज एन्टरप्राइजेज,
27 नेहरू बाजार, चित्तौड़गढ़ (राज.)
निवासी सी 14, कुम्भानगर, चित्तौड़गढ़ (राज.)
2. मोहन कुमार जेडिया पुत्र कल्याण सही जेडिया (नोमिनी)
मैसर्स महान मिल्क फुड्स लिमिटेड,
आर.के. टॉवर 203, 204,
2nd Floor झोटवाड़ा रोड़, जयपुर (राज.)
मो.नं.- 09560011081
हाल प्लॉट नं. 177, इन्द्रा कॉलोनी,
बनीपार्क, जयपुर (राज.)
निवासी 524 जे.पी. कॉलोनी, सेक्टर-1,
मेजर शैतान सिंह कॉलोनी, शास्त्रीनगर, जयपुर (राज.)
302016
3. मैसर्स महान मिल्क फुड्स लिमिटेड,
आर.के. टॉवर 203, 204,
2nd Floor झोटवाड़ा रोड़, जयपुर (राज.)
मो.नं.- 09560011081

अप्रार्थीगण

--:: जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) एफएसएस एक्ट 2006 नियम 2011 ::-

--:: निर्णय ::-

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राणावत ने परिवाद अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) के तहत विरुद्ध अप्रार्थीगण के प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 25.10.2018 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य संपादन कर रहे थे, और इन्हें राज्य सरकार



द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक **FH/PFA/Notification/2011/440 Dated 25-07-2011** के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन. स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान, जयपुर के आदेश क्रमांक/एफएसएसए/2016/465 दिनांक 03.05.2016 के अनुसार इनका कार्य क्षेत्र जिला चित्तौड़गढ़ आवंटित किया गया था और जिला चित्तौड़गढ़ के अंतर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र इनके कार्य क्षेत्र में आते हैं। गजट नोटिफिकेशन, अधिसूचना एवं आदेश की सत्यापित छाया प्रतियाँ न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न हैं। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 25.10.2018 को समय 01.40 पीएम पर मैसर्स एजेन्सी एन्टरप्राइजेज, 27 नेहरू बाजार, चित्तौड़गढ़ (राज.) पर पहुँचे। वहां पर रूपलाल नामधराणी पुत्र रामचन्द्र नामधराणी उक्त फर्म में विक्रेता/मालिक की हैसियत से खाद्य पदार्थ घी (महान ब्राण्ड) आदि आम जनता को विक्रय हेतु कर रहे थे एवं विक्रय हेतु अपने कब्जे में रखे हुए थे। मौके पर गवाहान महेन्द्र सिंह की उपस्थिति में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अपना परिचय पत्र विक्रेता को दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया तत्पश्चात् विक्रेता व गवाहान की उपस्थिति में उक्त फर्म का निरीक्षण करने पर 1-1 लीटर के पैकेट घी (महान ब्राण्ड) सील्ड अवस्था कुल 38 पैकेट विक्रय हेतु रखा पाया गया। उक्त में से सील्ड पैकेट घी (महान ब्राण्ड) को ध्यान से देखने पर उस पर घी (महान) लोट नम्बर 46, नेट क्वांटिटी - 1 लीटर, एमआरपी - 498, पैकड ऑन - 28 Sep-2018, बेस्ट बिफोर 12 मन्थ फ्रॉम ऑफ पेकेजिंग, मेन्युफेक्चरिंग बाय- Mahan Foods Ltd. M-19, S/F, M Block, Market GK, Part II, New Delhi-110048 आदि अंकित पाया गया विक्रेता के पास उक्त घी (महान ब्राण्ड) का खरीद बिल मौके पर प्रस्तुत किया। मिलावट की शंका होने पर उक्त खाद्य पदार्थ का नमूना एफएसएसए एक्ट 2006 के तहत जाँच हेतु लेने के लिए विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात् नमूना वास्ते जाँच हेतु लेने की सूचना फार्म नम्बर VA की प्रति गवाहान की उपस्थिति में तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली, जो की न्याय निर्णयन आवेदन के साथ मूल प्रति संलग्न है। मौके पर उपस्थित व्यक्तियों को गवाह बनने हेतु बार-बार आग्रह किया गया, किन्तु किसी के भी गवाह बनने हेतु तैयार न होने पर महेन्द्र सिंह को गवाह बनाकर सम्पूर्ण कार्यवाही उनके सामने की गयी। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ के चार सील्ड पैकेट को वास्ते नमूना जाँच हेतु खरीदा, जिसकी कीमत विक्रेता को रुपये 1260/- नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता तथा मौके पर उपस्थित गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वयं आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने हस्ताक्षर किये। जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ मूल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने उक्त खरीदशुदा खाद्य पदार्थ को चार बराबर-बराबर भागों में बाँट कर चार प्लास्टिक डिब्बों में अलग-अलग रखकर ढक्कन लगाकर अच्छी तरह एयर टाईट बन्द किया।



उक्त नमूना भागों हेतु 04 लेबल तैयार कर प्रत्येक नमूना भाग पर लेबल चिपकाये लेबल पर खाद्य पदार्थ का नाम, स्थान व दिनांक आदि अंकित कर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने, गवाहान व व्यापारी ने हस्ताक्षर किये थे। चारों नमूना भागों को अलग-अलग खाकी कागजों में लपेट कर प्रत्येक भाग पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या AM-963 नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीर से लेकर नीचे पेंदे तक व वापस सीरे तक लगातार गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपड़ी किया। एक सील नमूना भाग के सीरे पर एक पेंदे पर एवं दाईं और एवं एक बाईं और लगाई। प्रत्येक नमूना भाग पर मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेपर दोनों पर आवें एवं सीलबन्द नमुनों पर गवाहान के हस्ताक्षर कराकर नमुने का पुर्ण विवरण लिखकर मेरे द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने कब्जे में लिया। विक्रेता को उक्त नमुने के एक भाग (चौथा भाग) को एक्रीएटेड लैब में जाँच कराने की जानकारी मौके पर ही आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दे दी गई थी। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर मालिक एवं गवाहान को पढ़कर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा जिसे विक्रेता एवं मौके पर उपस्थित गवाहान ने भी पढ़कर, समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये। जिस सील से नमूना सील चपड़ी किया गया, उसका मोनोग्राम मौके पर ही मौका पंचनामा पर अंकित किया गया। फर्द रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कार्यालय पहुँच कर फार्म नं. 6 की प्रतियाँ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील अंकित की, जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर कर एवं दो प्रति फार्म नं. 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में पत्रवाहक के साथ खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर को जमा करवाने हेतु भिजवाया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति एवं एक प्रति फार्म नं. 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में जमा की खाद्य विश्लेषक, उदयपुर से अलग-अलग रसीद प्राप्त की गई जो, न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म नं. 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2018/4664 दिनांक 27.12.2018 द्वारा ज्ञात हुआ कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ का नमूना वास्ते जाँच क्रय किया गया था जो कि मिसब्राण्डेड होना पाया गया। जाँच



रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। उक्त फर्मों को प्राप्त जांच रिपोर्ट की एक प्रति रजिस्टर्ड पत्र से प्रेषित की गई, जिसका फोवर्डिंग पत्र की मूल कार्यालय प्रति व मूल पोस्टल रसीदों के संलग्न है। उक्त फर्मों के संविधान के सम्बन्ध में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा रजिस्टर्ड पत्र से जानकारी चाही गई जो कि मूल ही मय पोस्टल रसीदों के संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण के समस्त दस्तावेज पत्रांक 4664 दिनांक 27.12.2018 की पालना में अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को जमा कराये गये जिस पर कार्यालय के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2019/2023 दिनांक 18.06.2019 के द्वारा आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को उक्त केस में न्याय निर्णयन आवेदन फाईल करने हेतु प्राधिकृत किया है, जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। उक्त प्रकरण में उक्त अभियुक्तगणों ने मिसब्राण्डेड घी (महान ब्राण्ड) का विक्रय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (II) का उल्लंघन किया है जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 52 में निर्धारित है। अन्त में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रार्थना की गई कि उपरोक्त आवेदन न्याय निर्णयन प्रस्तुत कर दिया गया है जिसे स्वीकार निवेदन है कि उक्त अभियुक्तगणों पर अधिकतम जुर्माना लगाया जाए ताकि आम जनता को सुरक्षित खाद्य उपलब्ध कराया जा सके।

इस पर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रस्तुत परिवाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस के तलब किया गया। इस पर दिनांक 12.09.2019 को अप्रार्थीगण की और से उनके अधिवक्ता बीएल पोखरना हाजिर आये एवं अधिकार पत्र पेश किया जो कि शामिल पत्रावली है।

दिनांक 17.03.2021 को अधिवक्ता अप्रार्थीगण हाजिर आये। अप्रार्थीगण को पर्याप्त समय दिये जाने के पश्चात् भी अप्रार्थीगण की और से जवाब परिवाद पेश नहीं किये जाने से अप्रार्थीगण का जवाब परिवाद बन्द किये जाने का आदेश दिया गया। इस पर विद्वान अधिवक्ता अप्रार्थीगण द्वारा की गई बहस पत्रावली को सुना गया। विद्वान अधिवक्ता अप्रार्थीगण ने अपनी बहस पत्रावली में खाद्य विश्लेषक, मानक प्रयोगशाला उदयपुर का अवलोकन कराया और निवेदन किया कि उक्त प्रकरण में बहुत ही मामूली लेबलिंग की त्रुटि हुई है जिसे अन्तर्गत धारा 32 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत नोटिस दिये जाकर सुधार हेतु अवसर दिया जाना चाहिए और ऐसे प्रकरण में अभियोजन प्रस्तुत नहीं किये जाने चाहिए, अतः उक्त प्रकरण को इसी स्तर पर खारीज किये जाने की ईशतदुआ के साथ अपनी बहस पत्रावली समाप्त की। हमने पत्रावली



को बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। पत्रावली को वास्ते निर्णय रिजर्व किया गया।

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। हमने पत्रावली का बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का गहनता पूर्वक अध्ययन/परिशीलन किया। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत फार्म नंबर 5 ए की प्रति से जाहिर होता है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता/मालिक को खाद्य पदार्थ घी (महान ब्राण्ड) का नमूना वास्ते जांच लेने हेतु सूचना दी गई जिस पर विपक्षी संख्या 1 एवं मौके के गवाहान के हस्ताक्षर है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा नमूना लिये जाने हेतु विक्रेता/मालिक से नियमानुसार खाद्य पदार्थ क्रय किया गया जिसकी पुष्टि नमूना खरीद बिल से होती है, उस पर भी विक्रेता एवं गवाहान की शहादत के रूप में हस्ताक्षर है, एवं विपक्षी संख्या 1 द्वारा आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को जारी बिल संख्या 2253 दिनांक 25.10.2018 से होती है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार किया गया मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 25.10.2018 का अवलोकन किया। मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 25.10.2018 से जाहिर होता है कि उक्त खाद्य पदार्थ घी (महान ब्राण्ड) जिसका नमूना खरीद बिल पत्रावली पर उपलब्ध है से क्रय किया एवं उस पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या AM-963 नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीरे से लेकर नीचे पेंदे तक व वापस सीरे तक लगातार गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार ब्रास सील संख्या 62 से सील चपड़ी किया। इस से स्पष्ट होता है कि खाद्य पदार्थ को नियमानुसार सील किया गया है। हमने खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार फार्म नंबर 6 की प्रति का अवलोकन किया। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2018/4332 दिनांक 26.10.2018 से पत्रवाहक महेन्द्रसिंह (सहायक कर्मचारी) के साथ आउटर कवर में सील बंद नमूने फार्म नंबर 6 एवं सील्ड लिफाफे खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर को नमूना क्रमांक AM-963 मय लिफाफे के जमा कराये जाने हेतु भिजवाया गया। हमने खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर की रसीद को अवलोकन किया जिससे से जाहिर होता है कि पत्रवाहक महेन्द्रसिंह (सहायक कर्मचारी) द्वारा उक्त नमूना मय लिफाफे के दिनांक 26.10.2018 को जमा कराया गया। हमने आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत नियम 2.4.1(10)(ii) एवं 2.4.1(10)(iii) के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की रसीद का अवलोकन किया जिस से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विपक्षी से लिये गये शेष 3 नमूनों एवं फार्म संख्या 6 की प्रतियों को नियमानुसार अभिहित अधिकारी को जमा कराये गये। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2018/4664 दिनांक 27.12.2018



से अप्रार्थी संख्या 1 को, पत्रांक/एफएसएसए/2018/4663 दिनांक 27.12.2018 से निर्माता फर्म को नमूने पर अंकित पते अनुसार एवं पत्रांक/एफएसएसए/2018/149 दिनांक 09.01.2019 से अप्रार्थी संख्या 2 को खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर से प्राप्त रिपोर्ट संख्या LS 386/Act/2018/514 Dated 04-12-2018 की प्रति जरिये रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई है, उक्त पत्र रिकार्ड पर है। हमने खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट LS 386/Act/2018/514 Dated 04-12-2018 का गहनता पूर्वक अवलोकन किया। खाद्य विश्लेषक, उदयपुर रिपोर्ट एवं मतानुसार अनुसार :-

Report No LS 386/Act/2018/514 Dated 04-12-2018

Certified that I PANKAJ KUMAR duly appointed under the provisions of Food Safety and Standards Act, 2006 (34 of 2006) for RAJASTHAN STATE received from Sh. Devendra Singh Ranawat, Food Safety Officer District Chittotgarhi, a sample of Ghee (Mahaan) bearing code no. and serial no. AM- 963 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O of District Chittorgarh on 26.10.2018 for analysis.

The condition of seals on the container and the outer covering on receipt was as follows Brass Seal No 62 Intact and unbroken. The seals fixed on the container and outer cover tallied with the specimen seal impression sent separately, along with the copy of the memorandum, in sealed envelope.

I found the sample to be Butter, ghec & milk fat falling under Regulation No. 2.1.8 (2b) (Ghee) of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. The sample was in a condition fit for analysis and has been analyzed on 20.11.2018 to 04.12.2018 and the result of its analysis is given below-

ANALYSIS REPORT---

(i) Sample description:- The sample contained in a wide sealed original company duplex box of 1 Litre (898g) at 45°C. On duplex boxprinted mahaan Agmark Ghee but on pre packed pouch mahaan shudh ghee is kept loose without information like (Address not mentioned on pre packed of pouch) Contravention to Regulation 2.2.2(6) of Food Safety & Standards (Packaging and Labelling) Regulations 2011.

(ii) Physical appearance:- Whitish viscous paste in appearance, pleasant smell.

(iii) Label :- Brand- Mahaan, Name of food- Ghee, Mfg. by- Mahaan Milk Foods Ltd., B37-B-41/D31- D35, U.P.S.I.D.C., Indl. Area, Salempur, Hathras (U.P.)- 204102. Pkd. on.- 28.SEP.18, Batch No.- 46, Best before 12 Months- Present, Green symbol of veg.- Present. Ingredients- Present, Nut. Value- Given, Bar code-0750343880875, Fssai Lic. No.- 10015051001365, Agmark No.- C.A. No. A/2-1163.

Opinion:- The sample of Ghee (Mahaan) Bearing code no, and serial no. AM - 963 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O of District Chittorgarh is misbranded food. The sample is misbranded food under section 3(1)(zf)(C)(i) of the Food Safety & Standards Act 2006.

खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राणावत द्वारा लिया खाद्य पदार्थ का नमूना जो कि ब्रास सील संख्या 62 से सीलड



अवस्था में खाद्य विश्लेषक का प्राप्त हुआ। उक्त नमूना दिनांक 20.11.2018 से 04.12.2018 तक जांच के लिये उपयुक्त था। उक्त नमूने के संबंध में खाद्य विश्लेषक द्वारा अपनी रिपोर्ट में अवगत कराया गया है कि Butter, ghec & milk fat falling under Regulation No. 2.1.8 (2b) (Ghee) of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011., एवं The sample contained in a wide sealed original company duplex box of 1 Litre (898g) at 45°C. On duplex boxprinted mahaan Agmark Ghee but on pre packed pouch mahaan shudh ghee is kept loose without information like (Address not mentioned on pre packed of pouch) Contravention to Regulation 2.2.2(6) of Food Safety & Standards (Packaging and Labelling) Regulations 2011, है, एवं उक्त नमूना जिस पर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या AM-963 घी (महान ब्राण्ड) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 3(1)(Zf)(C)(i) के तहत मिस ब्राण्ड स्तर का पाया गया है। जिसकी पुष्टि स्वरूप खाद्य विश्लेषक द्वारा रिपोर्ट प्रेषित की गई है जो कि रिकार्ड पर है। हमने अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2018/4664 दिनांक 27.12.2018 से अप्रार्थी संख्या 1 को पत्रांक/एफएसएसए/2018/4663 दिनांक 27.12.2018 से निर्माता फर्म को नमूने पर अंकित पते अनुसार एवं पत्रांक/एफएसएसए/2018/149 दिनांक 09.01.2019 से अप्रार्थी संख्या 2 को का अवलोकन किया, जिसमें अभिहित अधिकारी द्वारा अप्रार्थीगण को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 46(4) के तहत खाद्य विश्लेषक, उदयपुर से प्राप्त रिपोर्ट की प्रति प्रेषित की एवं रेफरल खाद्य प्रयोगशाला से जांच कराये जाने के संबंध में अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2019/2023 दिनांक 18.06.2019 द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 36 की उपधारा 3(e) के तहत अभियोजन आवेदन प्रस्तुत किये जाने की अभियोजन स्वीकृति आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दी जाकर अधिकृत किया गया है। विपक्षीगण द्वारा उठाये तथ्यों के संबंध में हमारा अभिमत है कि अन्तर्गत धारा 32 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 के संबंध में वर्तमान परिस्थिति में टिप्पणी किया जाना उचित नहीं है क्योंकि यह तथ्य अभियोजन स्वीकृति के समय सक्षम अधिकारी को तय किया जाना था, प्रकरण में सक्षम अधिकारी द्वारा अभियोजन स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, ऐसी स्थिति में इस संबंध में टिप्पणी किया जाना उचित नहीं है इसके साथ ही आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा अपने परिवाद को ठोस दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा साबित कराया गया जबकि अप्रार्थीगण द्वारा किसी भी प्रकार के ठोस दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किये गये मात्र कथन किया गया एवं कथनों के पुष्टि में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये है, एवं हम आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा किये गये अनुसंधान से पूर्ण रूप से संतुष्ट है, ऐसी स्थिति में हमारा अभिमत है कि पत्रावली में किसी



भी प्रकार अतिरिक्त साक्ष्य एवं शहादत की आवश्यकता नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 25 में खाद्य पदार्थों के आयात एवं धारा 26 में खाद्य कारोबारकर्ता के दायित्वों का उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि खाद्य वस्तुएं इस अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों कि अपेक्षाओं को अपने नियंत्रणाधीन कारोबार को अंदर उत्पादन, प्रसंस्करण, आयात, वितरण और विक्रय के सभी प्रक्रमों को पूरा करती हैं। उक्त खाद्य पदार्थ का विपक्षी के पास बिल का नहीं होना जाहिर होता है। निर्माता को निर्माण/पैकिंग के समय ही लेबल पर नियमानुसार सभी आवश्यक पूर्तियां करनी चाहिये थी, किन्तु अप्रार्थी का भी यह दायित्व बनता है कि वह आयातित खाद्य पदार्थ के विक्रय हेतु प्रदर्शित करने से पूर्व यह सुनिश्चित करना चाहिये कि उक्त खाद्य पदार्थ पर नियमानुसार पूर्ति है। सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) का अवलोकन किया अधिनियम की धारा 25 से 27 में निम्न प्रावधान प्रावधित किये गये हैं :-

25. All imports of articles of food to be subject to this Act.

(1) No person shall import into India –

- (i) any unsafe or misbranded or sub-standard food or food containing extraneous matter;
- (ii) any article of food for the import of which a licence is required under any Act or rules or regulations, except in accordance with the conditions of the licence; and
- (iii) any article of food in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder or any other Act.

(2) The Central Government shall, while prohibiting, restricting or otherwise regulating import of article of food under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992), follow the standards laid down by the Food Authority under the provisions of this Act and the Rules and regulations made thereunder.

26. Responsibilities of the Food business operator.

(1) Every food business operator shall ensure that the articles of food satisfy the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder at all stages of production, processing, import, distribution and sale within the businesses under his control.

(2) No food business operator shall himself or by any person on his behalf manufacture, store, sell or distribute any article of food –

- (i) which is unsafe; or
- (ii) which is misbranded or sub-standard or contains extraneous matter; or
- (iii) for which a licence is required, except in accordance with the conditions of the licence; or
- (iv) which is for the time being prohibited by the Food Authority or the Central Government or the State Government in the interest of public health; or
- (v) in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder.

(3) No food business operator shall employ any person who is suffering from infectious, contagious or loathsome disease.



(4) No food business operator shall sell or offer for sale any article of food to any vendor unless he also gives a guarantee in writing in the form specified by regulations about the nature and quality of such article to the vendor: Provided that a bill, cash memo, or invoice in respect of the sale of any article of food given by a food business operator to the vendor shall be deemed to be a guarantee under this section, even if a guarantee in the specified form is not included in the bill, cash memo or invoice.

(5) Where any food which is unsafe is part of a batch, lot or consignment of food of the same class or description, it shall be presumed that all the food in that batch, lot or consignment is also unsafe, unless following a detailed assessment within a specified time, it is found that there is no evidence that the rest of the batch, lot or consignment is unsafe: Provided that any conformity of a food with specific provisions applicable to that food shall be without prejudice to the competent authorities taking appropriate measures to impose restrictions on that food being placed on the market or to require its withdrawal from the market for the reasons to be recorded in writing where such authorities suspect that, despite the conformity, the food is unsafe.

27. Liability of the manufacturers, packers, wholesalers, distributors and sellers

- (1) The manufacturer or packer of an article of food shall be liable for such article of food if it does not meet the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder.
- (2) The wholesaler or distributor shall be liable under this Act for any article of food which is—
 - (a) Supplied after the date of its expiry; or
 - (b) Stored or supplied in violation of the safety instructions of the manufacturer; or
 - (c) Unsafe or misbranded; or
 - (d) Unidentifiable of manufacturer from whom the article of food have been received; or
 - (e) Stored or handled or kept in violation of the provisions of this Act, the rules and regulations made thereunder; or
 - (f) received by him with knowledge of being unsafe.
- (2) The seller shall be liable under this Act for any article of food which is –
 - (a) sold after the date of its expiry; or
 - (b) handled or kept in unhygienic conditions; or
 - (c) misbranded; or
 - (d) unidentifiable of the manufacturer or the distributors from whom such articles of food were received; or
 - (e) received by him with knowledge of being unsafe.

अधिनियम के अनुसार खाद्य पदार्थ विक्रेता/निर्माता को उक्तानुसार विधि की पालना किया जाना अपेक्षित है, किन्तु अप्रार्थीगण द्वारा इसकी जांच नहीं कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) का उल्लंघन किया गया है। अतः उक्त प्रावधानों के तहत अप्रार्थीगण को दोष मुक्त नहीं किया जा सकता है। अतः अप्रार्थी संख्या 1 को उक्त खाद्य पदार्थ के विक्रय का एवं अप्रार्थी संख्या 2 उक्त खाद्य पदार्थ के निर्माता फर्म के नोमिनी होने से अप्रार्थीगण को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) का उल्लंघन किये जाने का दोष प्रमाणित माना जाता है



ऐसी स्थिति में विपक्षी संख्या 1 जो कि उक्त खाद्य पदार्थ के विक्रेता है, से अप्रार्थी संख्या 1 श्री रूपलाल नामधराणी पुत्र रामचन्द्र नामधराणी (विक्रेता) (मो.नं.- 9461648102) मैसर्स एजेन्सीज एन्टरप्राइजेज, 27 नेहरू बाजार, चित्तौड़गढ़ (राज.) निवासी सी 14, कुम्भानगर, चित्तौड़गढ़ (राज.) एवं अप्रार्थी संख्या 2 उक्त खाद्य पदार्थ की निर्माता फर्म के नोमिनी होने से अप्रार्थी संख्या 2 श्री मोहन कुमार जेडिया पुत्र कल्याण सही जेडिया (नोमिनी) मैसर्स महान मिल्क फुड्स लिमिटेड, आर.के. टॉवर 203, 204, 2nd Floor झोटवाड़ा रोड़, जयपुर (राज.) मो.नं.- 09560011081 हाल प्लॉट नं. 177, इन्द्रा कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर (राज.) निवासी 524 जे.पी. कॉलोनी, सेक्टर-1, मेजर शैतान सिंह कॉलोनी, शास्त्रीनगर, जयपुर (राज.) 302016 को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) के दोष का दोषी पाया जाकर दोषसिद्धि घोषित की जाती है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) के तहत दोष सिद्ध अभिवृत्त को अधिनियम की धारा 52 के अनुसार अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के प्रावधान है। हमने पत्रावली का आद्यौपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। अर्थदण्ड के बिन्दु पर चिंतन किया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत दोष सिद्ध अभिवृत्त को अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के संबंध में अधिनियम की धारा 49 में वर्णित तथ्यों के आधार पर दण्डित किये जाने के प्रावधान प्रावधित किये गये हैं। अधिनियम की धारा 49 एवं 52 के अनुसार-

49. General provisions relating to penalty.

While adjudging the quantum of penalty under this Chapter, the Adjudicating Officer or the Tribunal, as the case may be, shall have due regard to the following:-

- The amount of gain or unfair advantage, wherever quantifiable, made as a result of the contravention,
- The Amount of loss caused or likely to cause to any person as a result of the contravention,
- The repetitive nature of the contravention,
- Whether the contravention is without his knowledge, and
- Any other relevant factor,

52. Penalty for misbranded food.

- Any person who whether by himself or by any other person on his behalf manufactures for sale or stores or sells or distributes or imports any article of food for human consumption which is misbranded, shall be liable to a penalty which may extend to three lakh rupees.
- The Adjudicating Officer may issue a direction to the person found guilty of an offence under this section, for taking corrective action to rectify the mistake or such article of food shall be destroyed.



विपक्षी संख्या 1, एवं 2 की दोष सिद्धि घोषित की गई है, जिससे अर्थदण्ड विपक्षीगण को किया जाना उचित प्रतीत होता है, अतः को उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रय किये जाने से अभियुक्त संख्या 1 श्री रूपलाल नामधराणी पुत्र रामचन्द्र नामधराणी (विक्रेता) (मो. नं.- 9461648102) मैसर्स एजेन्सीज एन्टरप्राइजेज, 27 नेहरू बाजार, चित्तौड़गढ़ (राज.) निवासी सी 14, कुम्भानगर, चित्तौड़गढ़ (राज.) को रूपये 15,000/- अक्षरे पन्द्रह हजार रूपये मात्र, खाद्य पदार्थ की निर्माता फर्म के नोमिनी होने से अभियुक्त संख्या 2 श्री मोहन कुमार जेडिया पुत्र कल्याण सही जेडिया (नोमिनी) मैसर्स महान मिल्क फुड्स लिमिटेड, आर.के. टॉवर 203, 204, 2nd Floor झोटवाड़ा रोड़, जयपुर (राज.) मो.नं.- 09560011081 हाल प्लॉट नं. 177, इन्द्रा कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर (राज.) निवासी 524 जे.पी. कॉलोनी, सेक्टर-1, मेजर शैतान सिंह कॉलोनी, शास्त्रीनगर, जयपुर (राज.) 302016 को रूपये 50,000/- अक्षरे पचास हजार रूपये मात्र अर्थात् कुल रूपये 65,000/- अक्षरे पैसठ हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।

अभियुक्त उपरोक्त अर्थदण्ड एक माह की अवधि में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के मार्फत राजकोष में जमा करावें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को निर्देश दिये जाते हैं कि नियत समयावधि में शास्ति राशि जमा नही कराने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 96 के तहत शास्ति राशि भू-राजस्व के बकाया की तरह वसूल करने की कार्यवाही करावे। निर्णय की प्रति मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को पालनार्थ भिजवाई जावें। पत्रावली की गणना निर्णित इन्द्राज की जाकर बाद आवश्यक कार्यवाही के अभिलेखागार भिजवाई जावे।

यह निर्णय खुले न्यायालय में आज दिनांक 17.03.2021 को लिखाया जाकर सुनाया गया।

(रतन कुमार)
न्याय निर्णयन अधिकारी
एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
जिला चित्तौड़गढ़

